वर्ष :: 34 अंक : 05
पृष्ठ : 08 :: मूल्य 2 रुपए मात्र

मिथिला
वर्णन
स्वच्छ पत्रकारिता, स्वस्थ पत्रकारिता
झारखंड-बिहार का लोकप्रिय हिन्दी साप्ताहिक

/mithilavarnan

बोकारो :: रविवार, 29 अक्टूबर, 2023 News & E-paper : www.varnanlive.com E-mail : mithilavarnan@gmail.com

पूरे परिवार के लिये आध्यात्मिक पत्रिका
अवश्य पढ़ें-

निखिल-मंत्र-विज्ञान
14ए, मेनरोड, हाईकोर्ट कॉलोनी, जोधपुर (राज.)
फोन : (0291) 2624081, 263809

झारखंड भाजपा में बड़े 'खेल' की तैयारी

विशेष संवाददाता

रांची : देश में अगले साल मई या उससे पहले होने वाले लोकसभा चुनाव को लेकर झारखंड का राजनीतिक पारा अभी से चढ़ने लगा है। 2024 में 'क्लीन स्वीप' करने के लिए भाजपा के केंद्रीय नेता अभी से झारखंड में कैंप कर रहे हैं। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा शनिवार को पार्टी द्वारा आयोजित संकल्प यात्रा के समापन समारोह में शामिल हुए और उन्होंने झामुमो-कांग्रेस की गठबंधन सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने हेमंत सरकार को फरेबियों की सरकार बताया। कहा कि सरकार में अपराध चरम पर है। भ्रष्टाचार में सरकार आकंठ डूबी हुई है। मुख्यमंत्री के पीछे ईडी पड़ी हुई है। यह ऐसी सरकार है, जहां शराब माफिया, लैंड-सैंड माफिया दनदना रहे हैं। ऐसी सरकार को जाना चाहिए।

वहीं, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी भाजपा पर हमलावर हैं। दोनों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। इसी बीच राज्य में चुनावी हलचल भी तेज हो गई है। नेताओं के खेमा बदलने का सिलसिला आरंभ हो गया है।

लगभग एक साल बाद पूर्व मंत्री गीताश्री उरांव की कांग्रेस में घर वापसी हो चुकी है। जबकि, भाजपा मिशन 2024 की तैयारी में पूरी तरह सक्रिय हो गई है। इसी कड़ी में पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास को राज्यपाल बनाकर झारखंड की राजनीति से दूर कर दिया गया है और कभी रघुवर दास से नाराज होकर पार्टी छोड़ने वाले कई नेताओं की भाजपा में पुनर्वापसी का रास्ता पार्टी ने साफ कर दिया है। ऐसे नेताओं में पूर्व मंत्री सरयू राय का नाम सबसे ऊपर लिया जा रहा है। इसके साथ ही गीता कोड़ा और शैलेंद्र महतो को अब भाजपा में लाने की तैयारी की जाने लगी है।

जल्द सामने आएगा 'पाला बदल का खेल'

दरअसल, देश भर में लोकसभा चुनाव की तैयारियां सभी दलों ने शुरू कर दी हैं। झारखंड में लोकसभा के साथ विधानसभा चुनाव भी होने हैं। इसलिए यहां लोकसभा और विधानसभा दोनों चुनावों की तैयारियां चल रही हैं। सभी जानते हैं कि चुनाव निकट आते ही नेताओं के दल-बदल का का खेल भी तेज हो जाता है और यह खेल चालू हो चुका है। कांग्रेस की ओर से चलाये जा रहे 'आ लौट चलें अभियान' के तहत शनिवार को पूर्व मंत्री गीताश्री उरांव की घर वापसी हो गई। जबकि, भाजपा सहित अन्य दलों में भी इसी तरह का खेल जल्द देखने को मिलेगा। भाजपा इसकी तैयारी में जुट गई है। इसी बीच चार धुरंधर नेताओं के पाला पदलने की चर्चा भी तेज हो गई है। माना जा रहा है कि जल्द ही ये नेता बड़ा सियासी खेल कर देंगे।

भाजपा में कई नेताओं की पुनर्वापसी संभव

पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रघुवर दास को भाजपा ने ओडिशा का राज्यपाल बना दिया है। अब उन्होंने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से भी इस्तीफा दे दिया है। बताया जाता है कि रघुवर दास से झारखंड में पार्टी के कई नेता काफी नाराज थे। इसी कारण वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव में कई नेताओं को पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण बाहर का रास्ता दिखा दिया गया था। ऐसे नेताओं में पूर्व मंत्री सरयू राय सबसे प्रमुख हैं। रघुवर दास ने अपने अपनी ही सरकार में मंत्री रहे अपने बड़े आलोचक सरयू राय को टिकट पाने से वंचित कर दिया तो श्री राय ने पार्टी से बगावत कर दी थी और रघुवर दास के खिलाफ ही चुनाव लड़ गए थे। रघुवर को उनके ही क्षेत्र से पराजित करने वे सफल भी रहे। फिलहाल सरयू राय निर्दलीय विधायक हैं। उनके साथ ही अमरप्रीत सिंह काले, बड़कुंवर गगराई जैसे कई नेताओं को भाजपा ने बाहर का रास्ता दिखा दिया था। अब रघुवर दास के राजनीति की मुख्य धारा से अलग होने पर यह उम्मीद की जा रही है कि पार्टी से बाहर किए गए इन नेताओं की वापसी जल्द होगी।

गीता कोड़ा और शैलेंद्र महतो के भाजपा में आने की चर्चा

झारखंड में भाजपा की कमान फिलहाल पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी के हाथ में है। वर्षों से राजनीतिक वनवास झेलने के बाद बाबूलाल मरांडी 2019 के विधानसभा चुनाव के बाद भाजपा में लौट आए थे। पार्टी ने उन्हें विधायक दल का नेता बनाया, लेकिन दल-बदल के झमेले में वे उलझे रहे। नेता प्रतिपक्ष बनने में काफी अड़चनों के देखते हुए पार्टी ने उन्हें प्रदेश अध्यक्ष का दायित्व दिया। अब इधर रघुवर दास को राज्यपाल बनाये जाने के बाद जहां बाबूलाल मरांडी को ही मुख्यमंत्री का चेहरा माना जा रहा है, वहीं चर्चा है कि झारखंड आंदोलन के एक बड़े किरदार शैलेंद्र महतो और कांग्रेस की सांसद गीता भाजपा का दामन जल्द ही थाम सकते हैं। सूत्र तो यह भी बताते हैं कि दोनों के बारे में बातचीत फाइनल हो चुकी है। उन्हें पार्टी ने मना भी लिया है। जल्द ही वे भाजपा के हो जाएंगे।

कोल्हान और संथाल परगना में मजबूती पर जोर

जानकारों की मानें तो भाजपा इन दिनों संथाल परगना और कोल्हान में अपनी मजबूती पर काफी जोर दे रही है। गीता कोड़ा कांग्रेस के टिकट पर कोल्हान के इलाके से ही सांसद हैं तो शैलेंद्र महतो कुर्मी के एक कद्दावर नेता हैं। शैलेंद्र महतो झामुमो में रहते हुए जमशेदपुर लोकसभा क्षेत्र से दो बार संसद सदस्य के रूप में प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। जदयू में रहते हुए एक बार वे भाजपा के सहयोग से बोकारो विधानसभा से भी चुनाव लड़ चुके हैं। झारखंड आंदोलनकारी होने के कारण उनकी अच्छी छवि भी है। उनकी पत्नी आभा महतो भाजपा टिकट पर दो बार सांसद रह चुकी हैं। दरअसल, वर्ष 2019 के चुनाव में रघुवर दास के रहते कोल्हान में भाजपा की दुर्गति हो गई थी। पिछले चुनाव में कोल्हान की कुल 14 सीटों में भाजपा को एक भी नहीं मिली थी। भाजपा कोल्हान से झामुमो और कांग्रेस का सफाया करना चाहती है। सरयू राय, शैलेंद्र महतो और गीता कोड़ा के साथ भाजपा से निष्कासित नेता अगर फिर भाजपा का रुख करते हैं तो कोल्हान में खोया रुतबा हासिल करने में भाजपा को सफलता मिल सकती है। उधर, संथाल परगना के देवघर विधानसभा सीट से दो-दो बार चुनाव लड़ चुके और जिला परिषद के उपाध्यक्ष रहे युवा नेता संतोष पासवान के भी भाजपा में आने की प्रबल संभावना जतायी जा रही है। अगर ऐसा होता है तो आने वाले लोकसभा और विधानसभा चुनाव में भाजपा **(शेष पेज- 7 पर)**

गुड न्यूज एनटीपीसी के साथ करार की तैयारी, पहले चरण के लिए किया गया है सर्वेक्षण; प्रदूषण से भी मिलेगी निजात

सौर ऊर्जा से बिजली बना विद्युत संकट दूर करेगा बीएसएल

कार्यालय संवाददाता

बोकारो : इस्पात उत्पादन के क्षेत्र में एशिया महादेश का सबसे बड़ा कारखाना उद्योग जगत में एक और नई इबारत रचने जा रहा है। बीएसएल अब सूरज की रोशनी से बिजली उत्पादन करेगा। इसके लिए एनटीपीसी के साथ करार होना है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार जल्द ही इसे लेकर एमओयू होगा। इसके साथ ही बीएसएल की इस पहल से न केवल प्रदूषणमुक्त बिजली का उत्पादन होगा, बल्कि इस्पातनगरी की बिजली समस्या भी दूर हो सकेगी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शहरी क्षेत्र और इस्पात संयंत्र को मिलाकर कुल 560 मेगावाट बिजली की खपत है। यह जरूरत पूरी करने के लिए बीएसएल अपने पावर प्लांट बीपीएससीएल से 338 मेगावाट, डीवीसी से 220 मेगावाट और सौर ऊर्जा से 2 मेगावाट बिजली का उत्पादन कर करता है। लेकिन, जब कभी पावर प्लांट में गड़बड़ी होती है तो बिजली की समस्या विकट हो जाती है। इस संकट से निजात दिलाने के उद्देश्य से ही यह कदम बढ़ाया जा रहा है। एनटीपीसी के साथ सेल के इस साझा उपक्रम का नाम एनटीपीसी-सेल पावर प्लांट (एनएसपीसीएल) होगा, जो सौर ऊर्जा से 110 मेगावाट बिजली उत्पादन करेगा।

पहले चरण में कूलिंग पौंड में बनेगा पानी में तैरता पावर प्लांट

मिली जानकारी के अनुसार, उक्त परियोजना के लिए प्रथम चरण में बीएसएल के कूलिंग पोंड-1 में 30 मेगावाट विद्युत उत्पादन क्षमता का फ्लोटिंग, यानी पानी में तैरता सोलर पावर जेनरेशन प्लांट लगाने की तैयारी है। इसे लेकर एनएसपीसीएल ने हाल ही में सर्वेक्षण भी कर लिया है। इसके अलावा, खाली पड़ी जमीन और बड़े भवनों की छतों पर भी प्लांट लगाने की भी तैयारी चल रही है। सूर्य मंदिर के पास खाली पड़ी बीएसएल की जमीन पर 20 मेगावाट व गरगा डैम में 50 मेगावाट फ्लोटिंग सोलर पावर स्टेशन लगाने की योजना है। दूसरे चरण में बड़े भवनों की छतों पर सोलर पावर प्लांट के लिए भी बीएसएल दूसरी कंपनियों के साथ टाइअप करने की योजना बना रहा है। प्लांट और टाउनशिप के बड़े भवनों का सर्वे किया जा रहा है। विदित हो कि बीएसएल वर्ष 2030 तक 7.5 मिलियन टन इस्पात उत्पादन की योजना पर काम कर रहा है। जाहिर है, इसके लिए बिजली की जरूरत बढ़ेगी। ऐसे में इस प्रकार की परियोजनाएं कारगर होंगी। बीएसएल के संचार प्रमुख मणिकांत धान के अनुसार, सोलर पावर प्लांट लगाने के लिए बीएसएल और एनएसपीसीएल के बीच हुई सहमति हुई है। जल्द डीपीआर (डिटेल्ट प्रोजेक्ट रिपोर्ट) बनेगी।

– संपादकीय –

कतर के पर कतरने की जरूरत

कतर की एक अदालत ने भारत के आठ पूर्व नौ सैनिकों को फांसी की सजा सुनाई है। कतर की तरफ से उठाया गया यह कदम काफी चौंकाने वाला है। यही वजह है कि इस खबर से देशवासियों में काफी गुस्सा है। इस पर बयानबाजी भी तेज हो गई है। दरअसल, कतर अरब दुनिया का ऐसा देश है, जो इस्लामी आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए कुख्यात है। ऐसे में यह माना जा रहा है कि पहले इजरायल पर हमास के हमले, बदले में इजरायल का हमास पर बरपता कहर और फिर आतंकवाद के खात्मे के लिए भारत का इजरायल को समर्थन कतर के इस अप्रत्याशित कदम की बड़ी वजह हो सकती है। दूसरी तरफ, इसमें पाकिस्तान की भूमिका से भी इनकार नहीं किया जा सकता है। कहा जा रहा है कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई ने ही कतर को भारतीय नागरिकों के खिलाफ इस कार्रवाई के लिए उकसाया है। भारत के प्रति पाकिस्तान की नीति और नीयत देश के विभाजन से ही कैसी रही है, इसके सबूत देने की कोई जरूरत नहीं है। अब कतर आठ भारतीयों की जान लेने पर उतारू हो गया है। कतर की अदालत ने जिन आठ भारतीयों को फांसी की सजा सुनाई है, वे वहां 'अल-जाहिरा अल-आलमी कन्सलटेन्सी एंड सर्विसेज' नामक कंपनी में काम करते थे। ये सभी भारतीय नौ सेना के अधिकारी रह चुके हैं और कंपनी ओमान के एक उद्योगपति की है। कतर की पुलिस ने इन भारतीयों को इस आरोप में गिरफ्तार किया कि वे इजरायल के लिए जासूसी कर रहे थे। दरअसल, इजरायल कतर को फूटी आंख नहीं सुहाता है। ऐसे में यह आरोप लगते ही कतर पुलिस ने भारतीयों के साथ-साथ ओमान के नागरिक और उक्त कंपनी के मालिक को भी गिरफ्तार कर लिया। हालांकि, ओमान के नागरिक को दो महीने बाद ही छोड़ दिया गया। जबकि, भारतीयों को न कभी जमानत मिली और न ही उन्हें या उनके परिवार को आरोपों के बारे में बताया गया। अब जब अचानक उन्हें फांसी की सजा सुनाई गई तो यह आशंका जताई जा रही है कि कतर ने भारत से खुन्नस निकालने के लिए ही ऐसा किया है। दरअसल, भारत ने इजरायल पर हमास के हमले को बिना देर किए आतंकी कार्रवाई करार दे दिया। चूंकि कतर हमास और हिज्बुल्ला ही नहीं, लगभग सभी इस्लामी आतंकी संगठनों की मदद करता है। खासकर, इजरायल की दुश्मनी में वह हमास और हिज्बुल्ला जैसे संगठनों के लिए संरक्षक की भूमिका निभाता है। ऐसे में भारत द्वारा हमास को आतंकी संगठन कहना कतर को नागवार लगा। इधर, भारत में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन में आर्थिक गलियारे की एक ऐसी घोषणा हुई, जिससे अरब देशों में काफी हलचल पैदा हो गई। भारत को यूरोप से जोड़ने वाले इस गलियारे का प्रोजेक्ट भारत, अमेरिका और सऊदी अरब ने घोषित किया। इससे तुर्की तुरंत सुलग गया। पाकिस्तान परस्त और भारत विरोधी तुर्की ने भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा परियोजना के खिलाफ तुरंत जहर उगलना शुरू कर दिया। कतर की भी मानसिकता तुर्की जैसी ही है। वह भी नहीं चाहता है कि भारत और यूरोप को जोड़ने वाला गलियारा अरब वर्ल्ड से होकर गुजरे। इसलिए कतर द्वारा आठ पूर्व भारतीय नौ-सैनिकों को फांसी की सजा सुनाना कहीं न कहीं एक बड़ी साजिश का हिस्सा माना जा रहा है। कतर वही देश है, जिसने कुछ महीने पहले फुटबॉल वर्ल्ड कप कराया था और भारत को नसीहत देने के लिए भारत के भगोड़े जाकिर नाइक को अपने यहां बुलाया था। कतर वह देश है, जिस पर खुद खाड़ी देश भी कट्टरता और आतंक फैलाने का आरोप लगा चुके हैं। 2017 में सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन और इजिप्ट जैसे देशों ने कतर से अपने राजनयिक संबंधों को तोड़ लिया था। सऊदी अरब ने आरोप लगाया था कि कतर कई आतंकी संगठनों का समर्थन करता है। उस समय इन सभी देशों ने कतर जाने वाली फ्लाइट्स पर रोक लगा दी थी। अपने देश से कतर के नागरिकों को बाहर कर दिया था। यहां तक कि दुनिया में जहर फैलाने वाली कतर की मीडिया कंपनी अल-जजीरा को भी बैन कर दिया गया था। अब कतर ने भारतीय नौ-सेना के पूर्व अधिकारियों को मौत की सजा सुनाकर बड़ा दुस्साहस किया है। अब कतर के पर कतरने और उसे उसकी औकात बताने का समय आ गया है। कतर को झुकाने में भारत को ज्यादा समय इसलिए भी नहीं लगेगा, क्योंकि खुद खाड़ी के देश ही कतर से नफरत करते हैं। इसलिए उम्मीद की जानी चाहिए कि कतर को सजा सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि इजरायल और सऊदी अरब भी देगा।

आप अपने विचार अथवा अपनी रचनाएं हमें निम्नलिखित ई–मेल पर भेज सकते हैं–
mithilavarnan@gmail.com, Contact : 9431379234
Join us on /mithilavarnan
Visit us on : www.varnanlive.com
(किसी भी कानूनी विवाद का निबटारा केवल बोकारो कोर्ट में ही होगा।)

जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी

'जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी', अर्थात् हमारी जन्मभूमि स्वर्ग से भी बढ़कर है। हम धन्य हैं कि हमने उस भारतभूमि पर जन्म लिया, उस मिट्टी में हम पले-बढ़े, जो सनातन संस्कृति, सद्भाव, प्रेम-सौहार्द की मिसाल, देवी-देवताओं और ऋषि-मुनियों की धरती रही है। विश्व-बंधुत्व हमारा आरंभ से ही ध्येय रहा है और आज भी हम 'वसुधैव कुटुम्बकम्' के सिद्धांत पर चलकर पूरी दुनिया को 'एक धरती, एक परिवार, एक भविष्य' का संदेश दे रहे हैं। यह वह धरती है, जिसने 'सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः...' का संदेश दिया और आज भी दे रहे हैं।

आज हम सभी स्वतंत्र भारत में हैं और अपने देश की आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं, परंतु हम सभी जानते हैं कि अमृतकाल के इस अमृत को पाने में हमने कितने ही विष पिये। कभी मुगलों ने तो कभी अंग्रेजों ने षड्यंत्र कर हम पर अपना आधिपत्य जमा लिया। उनकी पराधीनता से निकलने में सैकड़ों वर्ष निकल गए और न जाने कितने ही वीरों ने अपने प्राणों की आहुतियां दे डालीं। अंततः 15 अगस्त, 1947 को देश स्वतंत्र हो सका।

'आजादी का अमृत महोत्सव' अवसर है वैसे पुरोधाओं को नमन करने का, उनकी वीर-गाथाओं को स्मरण करने का और उन्हें श्रद्धा-सुमन अर्पित करने का, जो आजादी की लड़ाई में स्वयं तो शहीद हो गए, पर हमें स्वच्छंदता का उपहार दे गए। आजादी का अमृत महोत्सव चिरस्मरणीय बनाने की अंतिम कड़ी में मेरी माटी, मेरा देश अभियान चलाया जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में देश के उन सभी वीर-वीरांगनाओं को सम्मान देने के लिए 'मेरी माटी मेरा देश' अभियान चलाया जा रहा है, जो अब अपनी पूर्णाहुति के मुहाने पर पहुंच चुका है।

यह अभियान देश के वीरों को नमन और देश की पवित्र मिट्टी का वंदन करता है। इस अभियान को दो चरणों में मनाया गया। पहले चरण में स्वतंत्रता सेनानियों और सुरक्षा बलों के लिए शिलाफलकम, पंच प्राण प्रतिज्ञा, वसुधा वंदन और वीरों का वंदन जैसी पहल शामिल थी, जो बहादुरों के बलिदान का सम्मान करती थी।

आजादी का अमृत महोत्सव के तहत पिछले दो सालों में दो लाख से अधिक कार्यक्रम भारत के अलग-अलग हिस्सों में आयोजित किए गए। अपने पहले चरण में अभियान को भारी सफलता मिली, जिसमें 36 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में 2.33 लाख से अधिक शिलाफलकम बनाए गए, लगभग 4 करोड़ पंच प्राण प्रतिज्ञा सेल्फी अपलोड की गईं और देश भर में 2 लाख से अधिक वीरों का वंदन कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके अतिरिक्त, 2.36 करोड़ से अधिक स्वदेशी पौधे लगाए गए और वसुधा वंदन थीम के तहत 2.63 लाख अमृत वाटिकाएं बनाई गईं। वहीं, मेरी माटी मेरा देश के दूसरे चरण में अमृत कलश यात्राओं का आयोजन किया गया। भारत भर के ग्रामीण क्षेत्रों के 6 लाख से अधिक गांवों और शहरी क्षेत्रों के वार्डों से मिट्टी और चावल एकत्र किए गए। 766 जिलों के 7000 ब्लॉकों से 8500 से अधिक अमृत कलश संग्रहित किए गए हैं। प्रत्येक गांव से एकत्रित मिट्टी को ब्लॉक स्तर पर लाया गया और फिर राज्य की राजधानी में लाया गया और एक समारोहपूर्वक विदाई के साथ हजारों अमृत कलश यात्रियों के साथ राष्ट्रीय राजधानी के लिए रवाना किया गया।

अब 'अमृत कलश-यात्रा' के तहत देशभर से एकत्रित होने वाली माटी और पौधों से दिल्ली स्थित नेशनल वार मेमोरियल के समीप अमृत वाटिका का निर्माण किया जाएगा। यह वाटिका देश के महान बलिदानियों को स्मरणांजलि होगी, जो वर्षों ही नहीं, युगों-युगों तक देशवासियों को प्रेरित करती रहेगी।

विकासरूपी गाड़ी का चालक बनेंगे देश के युवा

आजादी का अमृत महोत्सव के समापन के साथ ही स्वायत्त निकाय 'मेरा युवा भारत' (माय भारत) की भी शुरूआत भी काफी अहम है। यह युवा आधारित विकास पर सरकार का ध्यान केंद्रित करेगा और युवाओं को विकास का 'एक्टिव ड्राइवर' बनाने में मदद भी करेगा। इस स्वायत्त निकाय का उद्देश्य युवाओं को सामुदायिक परिवर्तन एजेंट और राष्ट्र निर्माता बनने के लिए प्रेरित करना है, जिससे वे सरकार और नागरिकों के बीच 'युवा सेतु' के रूप में कार्य कर सकें।

– प्रस्तुति : डी के वत्स।

हिन्दी कविता

बड़े खुशकिस्मत होते हैं वो...

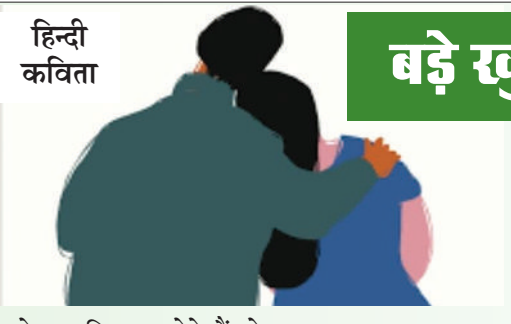

बड़े खुशकिस्मत होते हैं वो,
जिन्हें एक कंधा नसीब होता है।
जिसपर रखकर सिर वो अपनी कसक,
अपनी पीड़ा से पा जाते हैं निजात।
बड़े बदनसीब हैं हम,
जिसे एक कंधा तक मयस्सर नहीं।
जिसपर टिका मन की पीड़ा से त्राण पा सकें,
कंधा ही वो एक जरिया है, जो अपनों की पहचान बनता है।
लेकिन जिनका अपना कोई नहीं होता,
वो कहां से पाएं ऐसा जरिया।
जो उनके मन की व्यथा सुने
और मन की बात समझे।
उम्मीद की एक हल्की सी किरण दिखी थी,
तब लगा था समान पीड़ा से पीड़ित वह शख्स।
उसे अपना समझ अपनाएगा और सान्त्वना मिलेगी,
लेकिन एक प्रियदर्शी ने उसके मन में डाल दिया था शक का बीज।
समय के साथ वह बीज अंकुरित हुआ, फिर पल्लवित और पुष्पित भी,
हकीम लुकमान का कहा भी उसने किया नजरअंदाज।
समय के साथ शक का बीज फूला और फला
और अंतिम परिणीति कि प्रेम के अंकुरण से पहले ही खत्म हो गयी कथा।

रचनाकार : ऋजु

दुर्गोत्सव... बहती रही भक्ति-रस की बयार, चहुं ओर गूंजती रही मैया की जय-जयकार

कार्यालय संवाददाता

बोकारो : आदिशक्ति जगत जननी जगदम्बा की आराधना का महापर्व दशहरा (शारदीय नवरात्रि, दुगार्पूजा) का त्योहार बोकारो इस्पात नगर, उपशहर चास एवं आसपास के क्षेत्र सहित पूरे जिले में सोल्लास संपन्न हो गया। इस अवसर पर पूरे नौ दिनों तक लगातार जहां शहर से लेकर गांवों तक मैया के भक्तिमय गीत तथा जय-जयकार गूंजते रहे, वहीं वैदिक मंत्रोच्चार से भी वातावरण आध्यात्मिक व भक्तिमय बना रहा। जिले के कसमार, पेटरवार, चंदनकियारी और बोकारो शहर में बंग भारती, कालीबाड़ी, चक्की मोड़, थाना मोड़ सहित नगर के सभी सेक्टरों में स्थापित की गई मां दुर्गा की प्रतिमाएं शुक्रवार तक विसर्जित कर दी गईं।

मां दुर्गा की मनमोहक प्रतिमाएं आकर्षक पार्श्व सज्जा के बीच जगह-जगह स्थापित की गई थीं। विश्वस्तरीय मंदिरों और इमारतों वाले भव्य पूजा पंडालों में मां की मूरत देखते ही बन रही थी। सेक्टर-2 पूजा पंडाल में इस बार यहां वृंदावन के प्रेम मंदिर का प्रारूप देखने को मिला, जिसकी खूबसूरती रात में मनमोहक लेजर लाइट से चौगुनी हो गई। सेक्टर- 9 वैशाली मोड़ में कोलकाता के इस्कॉन मंदिर के प्रारूप वाला पंडाल वृहत बना रहा। पंडाल में प्रवेश द्वार के पास लेटे हुए भगवान गणेश की सुंदर प्रतिमा हर आते-जाते लोगों को सहसा आकर्षित कर रही थी, जो लोगों के लिए एक सेल्फी प्वाइंट भी बना रहा। सेक्टर-12ए में दिल्ली के अक्षरधाम मंदिर, सेक्टर 12 ए-ई में झारखंड विधानसभा, सेक्टर-9 गायत्री मंदिर मैदान में पेरिस के पवित्र हृदय संग्रहालय और चास की बिहार कॉलोनी में वृंदावन के चंद्रोदय मंदिर की अनुकृति का पूजा पंडाल आकर्षण का केंद्र रहा। सेक्टर- 3 में बंग भारती और चक्की मोड़ में बंगाली पद्धति से पूजा मनाई गई। बंग भारती में छऊ नृत्य कार्यक्रम का लोगों ने खास आनंद लिया।

सिंदूर खेला के साथ मैया को भावपूर्ण विदाई

लगातार नौ दिनों तक विधि-विधान से मां दुर्गा की पूजा करने के बाद विजयादशमी को बोकारो के अधिकतर पूजा-स्थलों पर स्थापित प्रतिमाएं विसर्जित कर दी गयीं। बंग भारती, चक्की मोड़, कालीबाड़ी, थाना मोड़, सेक्टर-4 डी, 1 सी समेत विभिन्न जगहों पर स्थापित मां दुर्गा एवं अन्य देवी-देवताओं की प्रतिमाएं निकटवर्ती जलाशयों व नदियों में विसर्जित की गयीं। भक्तों ने अगले बरस मां को फिर आने का न्योता देकर नम आंखों से भावपूर्ण विदाई दी। बंगाली रीति के अनुसार सेक्टर-1 सी, चक्की मोड़, कालीबाड़ी, बंग भारती आदि जगहों पर महिलाओं ने सिंदूर खेला के साथ माता को विदाई दी। महिलाओं ने सदा सुहागन बनाये रखने की कामना के साथ सिन्दूर खेला किया और मैया को अगले बरस फिर आने का न्योता देकर विदाई दी। बोकारो थर्मल स्थित बोकारो क्लब एवं पंच मंदिर की प्रतिमा का भी विसर्जन नम आंखों से अगले वर्ष आने की कामना के साथ कोनार नदी में शाम ढ़लते ही कर दिया गया। विसर्जन के पूर्व बंगाली समुदाय की महिलाओं सहित सभी महिलाओं ने आपस में सिंदूर दान कर आपस में सिंदूर खेला।

जगह-जगह रावण दहन

दशहरा के अवसर पर बोकारो के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जगह-जगह रावण दहन के कार्यक्रम हुए। रेलवे कॉलोनी की सार्वजनिक दुर्गा पूजा कमेटी की ओर से रेलवे स्टेशन के समीप स्थित सेरसा स्टेडियम में रावण दहन किया गया। मौके पर बोकारो विधायक बिरंची नारायण, डीसी कुलदीप चौधरी, एसपी प्रियदर्शी आदि मौजूद थे। सेक्टर-3 के चक्की मोड़ में भी रावण दहन किया गया। इसी प्रकार, चंद्रपुरा प्रखंड में दुग्दा मार्केट स्थित सेंट्रल पूजा कमेटी द्वारा दुग्दा कोल वाशरी फुटबॉल मैदान में 40 फीट ऊंची रावण का पुतला जलाया गया। मुख्य अतिथि राज्य की उत्पाद व मद्य निषेध मंत्री बेबी देवी थीं। गोमिया, पेटरवार बेरमो में भी कई जगहों पर रावण दहन हुआ। बोकारो के सेक्टर-5 पुस्तकालय मैदान में बीएसएल की अनुमति न मिलने से रावण दहन स्थगित होने पर लोगों में निराशा देखी गई।

आकर्षण का केंद्र बने रहे पंडाल व मीना बाजार

बोकारो के सेक्टर-2, सेक्टर-9, सेक्टर-12 में लगाये गए दुगार्पूजा मेले के दौरान आस्था और उमंग का सैलाब उमड़ा रहा। मेले में भांति-भांति के झूले, खान-पान के स्टॉल, देश के कोने-कोने से आये व्यापारियों की दुकानें, हरेक माल वाली दुकानें लोगों को लुभाती रहीं और बहुरंगी छटा बनी रही।

जीती-जागती देवियों की झांकी फिर रही आकर्षण का केंद्र

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की ओर से सेक्टर-4 में आयोजित चैतन्य देवियों की झांकी इस बार भी दुर्गा पूजा पर विशेष आकर्षण का केंद्र बनी रही। जीती-जागती देवियों का दर्शन अपने-आप में अनूठा रहा, जिसे देखने जिले के दूर-दूर से लोगों का सैलाब उमड़ा रहा। सभी अपने मोबाइल में इस आकर्षण क्षण को कैद करने में लगे थे। बोकारो में वर्ष 1984 से ही इस प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की स्थापना के बाद से लेकर लगातार हर वर्ष चैतन्य देवियों की झांकी प्रस्तुत की जाती रही है। यह आयोजन अपने-आप में विशेष है। यहां न तो गगनचुंबी पंडाल बनाए जाते हैं और न ही देवी की प्रतिमाएं स्थापित होती हैं। एक लघु शामियाने में मंच बनाया जाता है और उस पर विराजमान होती हैं जाग्रत देवियां। सेक्टर- 4ई में प्रत्येक वर्ष चैतन्य देवियों की झांकी प्रस्तुत की जाती है।

सख्ती नोटिस के बाद भी सुधार न होने पर श्रम न्यायालय ने कई प्रतिष्ठानों पर दर्ज कराई एफआईआर

कर्मियों को कम मजदूरी पर कसा शिकंजा

संवाददाता

बोकारो : चास-बोकारो के कई प्रतिष्ठानों में कथित रूप से सरकार द्वारा निर्धारित राशि से कम मजदूरी दिए जाने के आरोप में बोकारो के श्रम न्यायालय में मुकदमा दर्ज किया गया है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार पिछले दिनों सहायक श्रमायुक्त प्रवीण कुमार एवं उनकी टीम में शामिल श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी बसंत महतो, वरीय लिपिक नीरज सिन्हा, सुबल गोप, संतोष सिंह ने शहर के विभिन्न व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया था। इसमें सभी प्रतिष्ठानों में अपने कामगारों/श्रमिकों को कम मजदूरी दी जा रही थी। सभी श्रमिकों का बयान लेकर सभी प्रतिष्ठानों को नोटिस जारी किया गया था, परंतु सभी प्रतिष्ठानों द्वारा अपने कामगारों का बकाया अंतर राशि का भुगतान नहीं किया गया। इसी कारण शनिवार को सभी प्रतिष्ठानों पर न्यूनतम मजदूरी अधिनियम 1948 के अंतर्गत श्रम न्यायालय में मुकदमा दायर किया गया है। संबंधित प्रतिष्ठानों में मेसर्स कोजी स्वीट्स, नियोजक अमित जौहर, बी-17, सिटी सेन्टर, सेक्टर-4, बोकारो स्टील सिटी, मेसर्स शिवम हॉस्पिटल, नियोजक राजू कुमार सिंह, प्लॉट नं.-ई/2, लक्ष्मी मार्केट, सेक्टर-4, बोकारो स्टील सिटी, मेसर्स बिहान फ्यूल स्टेशन (पेट्रोल पंप), नियोजक हर्षवर्द्धन सिंह, पुरुलिया रोड, पो०-थाना- चंदनकियारी, जिला- बोकारो तथा मेसर्स सुमंगल मोटर्स (टीवीएस शोरूम), नियोजक - दीपक अग्रवाल, चास रोड, चंदनकियारी, बोकारो शामिल हैं।

'उल्लंघन हुआ तो मुकदमा दर्ज करना बाध्यता'

इस संदर्भ में सहायक श्रमायुक्त, बोकारो प्रवीण कुमार ने कहा कि सभी श्रमिकों को झारखंड सरकार द्वारा देय न्यूनतम मजदूरी पाने का अधिकार है। यदि किसी नियोजक द्वारा इसका उल्लंघन किया जाता है तो श्रम विभाग श्रमिकों के अधिकार के लिए मुकदमा दायर करने हेतु बाध्य है।

संचालकों ने कहा- यह तानाशाही है, कर रहे परेशान

शिवम हॉस्पिटल के मालिक राजू कुमार सिंह ने पूछने पर बताया कि उन्हें मालूम नहीं है कि यह मुकदमा किस कारण किया गया है। जबकि, कोजी स्वीट्स के मालिक अमित जौहर ने इस कार्रवाई को तानाशाही बताया है। उन्होंने कहा कि इस तरह की कार्रवाई व्यापारियों को परेशान करने के लिए की गई है।

इधर, चेंबर ने भी जताया विरोध

विभिन्न व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर श्रम विभाग की ओर से मुकदमा दर्ज कराए जाने पर बोकारो चैंबर आफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने कड़ी आपत्ति जताई है। संस्थापक अध्यक्ष संजय बैद ने प्रेस को जारी अपने बयान में कहा कि श्रम विभाग द्वारा कई व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर केस दर्ज का मामला चेंबर के संज्ञान में आया है। चेंबर इसका विरोध करता है और श्रम विभाग से मांग करता है कि यदि किसी प्रतिष्ठान के खिलाफ उन्हें लिखित शिकायत मिलती है तो मामले में किसी प्रकार की कार्रवाई करनी चाहिए, अन्यथा विभाग एवं व्यवसायों के बीच गतिरोध पैदा होगा। कोई भी नियम कानून जनता की सुविधा के लिए बनता है, न कि उन्हें परेशान करने के लिए।

पुरानी फाइलों और इलेक्ट्रॉनिक कचरे को निपटा रहा बीएसएल

संवाददाता

बोकारो : भारत सरकार के स्वच्छता ही सेवा 2023 विशेष अभियान 3.0 के अंतर्गत बोकारो स्टील प्लांट के विभिन्न विभागों में 03 अक्टूबर 2023 से बड़े पैमाने पर स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। स्वच्छता को केन्द्र में रखकर और पूर्ण स्वच्छता के दृष्टिकोण के साथ कार्यालयों में स्वच्छता और लंबित मामलों को कम करने के साथ एक विशेष अभियान के रूप में बोकारो स्टील प्लांट ने अपने विभिन्न विभागों में पुरानी फाइल्स और रिकॉर्ड को चिन्हित करके उनके डिस्पोजल का कार्य किया है। इसी क्रम में कुछ विभागों में पहले से चल रहे नियमों की संख्या को कम करके उनके सरलीकरण का कार्य भी किया गया है। इसी अभियान के तहत हॉट स्ट्रिप मिल में अनुपयोगी हो चुके पुराने कंप्यूटर, प्रिंटर इत्यादि जैसे इलेक्ट्रॉनिक कचरे का निपटान किया गया।

विशेष अभियान 3.0 के अंतर्गत बोकारो स्टील प्लांट के अंदर पुराने और पुनः प्राप्त करने योग्य स्क्रैप के पुनर्चक्रण का कार्य भी वृहद स्तर पर किया गया है। संयंत्र के अंदर हरियाली और जैव - विविधता बढ़ाने के लिए स्वच्छता ही सेवा 2023 विशेष अभियान 3.0 के अंतर्गत बोकारो इस्पात संयंत्र, स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल कार्यस्थल बनाने हेतु वृक्षारोपण का भी व्यापक अभियान चला रहा है।

कहीं वोटर लिस्ट में आपका नाम या फोटो गलत तो नहीं, कर लें जांच

चुनावी तैयारी... मतदाता सूची के प्रारूप का अंतिम प्रकाशन 05 जनवरी को

कार्यालय संवाददाता

बोकारो : जिला प्रशासन आसन्न चुनाव को लेकर मतदाता सूची पूरी तरह से दुरुस्त करने में लगा है। उपायुक्त सह- जिला निर्वाचन पदाधिकारी कुलदीप चौधरी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार अहर्ता तिथि 01 जनवरी, 2024 के आधार पर मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण- 2024 का कार्यक्रम घोषित किया गया है। निर्वाचन आयोग के अनुसार एकीकृत मतदाता सूची के पुनरीक्षण में दावे और आपत्ति दाखिल करने की तिथि- 09 दिसम्बर 2023 तक है, जबकि दावे एवं आपत्ति के निराकरण की तिथि- 26 दिसम्बर 2023 निर्धारित है। वहीं, मतदाता सूची के प्रारूप का अंतिम प्रकाशन 05 जनवरी 2024 को होगा। इस दौरान मतदान केंद्रों पर 28-29 अक्टूबर 2023 एवं 25-26 नवम्बर 2023 को विशेष अभियान चलाया जाएगा। उपायुक्त सह- जिला निर्वाचन पदाधिकारी श्री चौधरी बोकारो समाहरणालय के सभागार में पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने मतदाताओं से विशेष अभियान तिथि 28-29 अक्टूबर के बाद 25-26 नवम्बर 2023 को अपने-अपने मतदान केंद्रों पर उपस्थित होकर बीएलओ के माध्यम से मतदाता सूची देखकर अपने नाम व फोटो आदि की जांच करने की अपील की है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह- उपायुक्त ने बताया कि जिले के चार विधानसभा गोमिया, बेरमो, बोकारो एवं चंदनकियारी की जनसंख्या 22 लाख 60 हजार 778 है। इसमें मतदाताओं की संख्या 14 लाख, 36 हजार 389 है। उन्होंने बताया कि मतदाता सूची को अद्यतन करने का कार्य पूरे वर्ष चलता है। 06 जनवरी 2023 से 26 अक्टूबर 2023 तक कुल 30 हजार 288 मतदाताओं को मतदाता सूची में जोड़ा गया है। वहीं, 06 हजार 886 मतदाताओं के नाम विलोपित किये गए हैं। पत्रकार सम्मेलन में उपायुक्त श्री चौधरी के साथ निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी (ईआरओ) बोकारो सह- चास के अनुमंडल पदाधिकारी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत, निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी (ईआरओ) बेरमो सह- अनुमंडल पदाधिकारी, बेरमो शैलेश कुमार, जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी धीरेंद्र कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी राहुल भारती आदि उपस्थित थे।

4 साल में बढ़ गए 103596 मतदाता

बोकारो जिले में विगत चार वर्षों में 103596 मतदाता बढ़ गए। वर्ष 2019 में हुए लोकसभा चुनाव की तुलना में इस बार वोटरों की तादाद में बढ़ोतरी हुई है। पिछले लोकसभा चुनाव में जिले के चार विधानसभा क्षेत्रों में चंदनकियारी, बेरमो, गोमिया और बोकारो को मिलाकर मतदाताओं की कुल संख्या 13,32,793 थी, जो अब बढ़कर 14,36,389 हो गई है। पिछली बार बोकारो विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं की संख्या 5,05,364 मतदाता थे, जबकि इस साल वह बढ़कर 5,40,724 हो गई है। इस प्रकार, बोकारो विधानसभा क्षेत्र में सबसे अधिक 35,360 मतदाता बढ़ गए। वहीं बेरमो विधानसभा क्षेत्र में पिछली बार 3,11,390 मतदाता थे, जो अब बढ़कर 3,21,983 हो गई। वहीं गोमिया विधानसभा क्षेत्र में पिछली बार मतदाता 2,75,139 थे, जो अब बढ़कर 3,03,609 हो गई। चंदनकियारी विधानसभा में पिछली बार 2,40,950 वोटर थे, जो अब बढ़कर 2,70,073 हो गई।

कार्यक्रम जीजीईएसटी में विद्यार्थियों को उद्यमिता विकास पर दिया गया प्रशिक्षण

बेरमो को जिला बनाने की मांग ने पकड़ी जोर

कहकशां बेगम

गोमिया : बेरमो को जिला बनाने की मांग लगातार जोर पकड़ती जा रही है। इसे लेकर जोरदार आंदोलन की भी रणनीति तैयार की गई है। बेरमो जिला बनाओ संघर्ष समिति की एक बैठक समिति के अध्यक्ष कामेश्वर मिश्रा की अध्यक्षता में तेनुघाट में कार्यालय में संपन्न हुई। मिश्रा ने बैठक में बताया कि समिति के द्वारा अनुमंडल पदाधिकारी बेरमो को एक ज्ञापन देकर जानकारी दी जा रही है कि सीसीएल द्वारा यूको पार्क बनाए जाने का बेरमो की जनता विरोधी नहीं है, लेकिन स्वांग प्राचीन हवाई अड्डा का प्रांगण हमारे पूरे बेरमो अनुमंडल की बहुमूल्य धरोहर है, जो वर्तमान एवं भविष्य में भी अत्यंत उपयोगी है व रहेगा। वर्तमान समय में उस स्थान पर खेलकूद, एयर फोर्स, आर्मी पुलिस में भर्ती आदि प्रतियोगिता में पास होने के लिए अभ्यर्थियों के अभ्यास स्थल के रूप में अत्यंत उपयोगी साबित हो रहा है। इसके अलावा इस स्थान पर ड्राइविंग सिखाने, आमसभा संपन्न कराने का अत्यंत उपयुक्त स्थल है। प्रातः काल में भ्रमण के लिए भी अत्यंत आवश्यक व महत्वपूर्ण स्थान है, इसलिए उन्हें दिए जा रहे ज्ञापन में यह निवेदित किया गया है कि सीसीएल के पास पार्क के लिए अनेक खाली स्थान उपलब्ध हैं, जो पार्क बनाने के लिए अत्यंत उपयुक्त हैं। जैसे स्वांग डीएवी स्कूल के पूरब लगभग 25 एकड़ जमीन खाली पड़ी हुई है, हजारी मोड़ से वाशरी के मार्ग में काफी जमीन खाली पड़ी है, यह दोनों ही स्थान पार्क के लिए अत्यंत उपयुक्त है।

अनुमंडल पदाधिकारी से अनुरोध करते हुए समिति के लोगों ने कहा कि बेरमो अनुमंडल की आम जनता की उपयोगिताओं एवं उज्जवल भविष्य को देखते हुए स्वांग हवाई अड्डा को यूको पार्क में परिवर्तित न किया जाए। वहीं, समिति के सचिव वकील प्रसाद महतो ने बताया कि बेरमो अनुमंडल मुख्यालय तेनुघाट को जिला का दर्जा देने संबंधी मांग को लेकर दिनांक 7 नवंबर 2023 को अनुमंडल पदाधिकारी बेरमो के मुख्यालय तेनुघाट में एक दिवसीय धरना एवं प्रदर्शन किया जाएगा। अनुमंडल के सातों प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री को तथा 111 पद यात्रियों के साथ सीधे मुख्यमंत्री को बेरमो अनुमंडल मुख्यालय तेनुघाट को जिला बनाने संबंधी ज्ञापन सौंपा जा चुका है।

इस कार्यक्रम के निमित्त अनुमंडल पदाधिकारी बेरमो को भी 7 नवंबर 2023 को ज्ञापन सौंपा जाएगा। समिति के संयोजक संतोष कुमार नायक ने भी बेरमो को जिला बनाने पर जोर दिया। कोषाध्यक्ष कुलदीप प्रजापति ने बताया कि 6 दिसंबर को तेनुघाट अनुमंडल मुख्यालय में बेरमो जिला बनाओ संघर्ष समिति के द्वारा एक महाजुटान होगा। बेरमो अनुमंडल की 51वीं वर्षगांठ के अवसर पर महाजुटान होगा। इस अवसर पर सुभाष कटरियार, मिथुन चंद्रवंशी, बबलू झा आदि मौजूद थे।

हफ्ते की हलचल

मैथिल नवविवाहितों के घर कोजागरा की रही धूम

बोकारो : बोकारो, चास सहित आसपास के इलाके में कोजागरा की धूम रही। आश्विन पूर्णिमा के दिन कोजागरा उत्सव मनाने की परंपरा प्राचीन काल से रही है। इस दिन लक्ष्मी पूजा का विधान है और रात्रि जागरण की प्रधानता है। विशेष रूप से नवविवाहित युवकों के यहां कोजागरा उत्सव धूम-धाम से मनाया जाता है। इस पर्व में मधुर और मखान का विशेष महत्व होता है। पूजा उपरांत लोगों के बीच मधुर मखान का वितरण किया जाता है।

विज्ञान की चमत्कारिक दुनिया से अवगत हुए विद्यार्थी

बोकारो : विद्यालय की कक्षा से बाहर ज्ञान की जीवंत दुनिया से अवगत कराने हेतु शनिवार को डीपीएस बोकारो के विद्यार्थियों को विज्ञान केन्द्रों का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। अनुभव आधारित शिक्षा के तहत दो अलग-अलग टोलियों में कुल 379 विद्यार्थियों ने रांची और पुरुलिया (प.बं.) स्थित साइंस सेंटर का भ्रमण किया। इस क्रम में बच्चे विज्ञान की रोमांचकारी और चमत्कारिक दुनिया से रू-ब-रू हुए। 5वीं कक्षा के 195 बच्चों को पुरुलिया स्थित साइंस सेंटर ले जाया गया। जबकि, कक्षा 7 व 8 के 184 बच्चों को रांची स्थित साइंस सेंटर में घुमाया गया। बच्चों के लिए धूप से समय पता करने की प्राचीन विधि, मानव सभ्यता के क्रमिक विकास को दर्शाती गैलेरी, वन्य-जीवों का जीवन, ध्वनि व बल संबंधी परिवर्तनों, घूर्णन, 3डी होल, हाई वोल्टेज शॉक वेव, सिर से नीचे धड़ का अदृश्य हो जाना, जुरासिक पार्क, व्यक्ति की छाया को एक जगह स्थिर कर देना, संवेग स्थानांतरण, उड़ती गेंद आदि चीजें देखना आकर्षण का केन्द्र रहा। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए एस गंगवार ने बच्चों में वैज्ञानिक चेतना विकसित करने की दिशा में इस भ्रमण को महत्वपूर्ण बताया।

डीवीसी बोकारो थर्मल के परियोजना प्रधान हटाये गये

बोकारो थर्मल : डीवीसी बोकारो थर्मल के एचओपी (परियोजना प्रधान) नंद किशोर चौधरी बोकारो थर्मल से हटा दिए गए हैं। वह ओएसएंडयू कोलकाता बनाए गए हैं। मीजिया के आनंद मोहन प्रसाद बोकारो थर्मल उनकी जगह यहां एचओपी की जिम्मेदारी संभालेंगे। इनके अलावा, ओएंडएम के सीनियर जीएम एसएन प्रसाद एफजीडी के सीनियर जीएम बनाये गये। एस भट्टाचार्य ओएंडएम के जीएम तथा एस भद्रा सीएसई एंड सीएंड आई के जीएम बनाये गये। उक्त तबादला डीवीसी कोलकाता एचआर के सीनियर जीएम एनवी रमन्ना के पत्रांक 1923 के द्वारा किया गया है। विश्वस्त सूत्रों के अनुसार, डीवीसी मुख्यालय कोलकाता के निशाने पर बोकारो थर्मल के कई अधिकारी और अभियंता हैं।

मंदिर के सफाई सेवक को किया सम्मानित

बोकारो : तुपकाडीह स्टेशन रोड स्थित दुर्गा धाम मंदिर की रोजाना साफ सफाई और देखरेख करने वाले जगदीश भट्ट को मंदिर कमेटी एवं कनारी पंचायत के प्रतिनिधियों ने अंग वस्त्र व अन्य उपहार देकर सम्मानित किया। उप मुखिया राजू महतो ने बताया कि जगदीश सदैव निःस्वार्थ भाव से मंदिर की सफाई व्यवस्था संभालते आये हैं। जगदीश ने कहा कि जब तक ताकत रहेगी, मां भगवती की सेवा करता रहूंगा। मौके पर भास्कर अग्रवाल, संतोष महतो, सौरभ भट्ट, राहुल महतो, आशीष महतो, विष्णु, नीरज वर्णवाल आदि मौजूद रहे।

चास रोटरी ने किया दंत जांच शिविर का आयोजन

बोकारो : डॉ एस राधाकृष्णन बीएड कॉलेज में रोटरी क्लब चास के सहयोग से दंत जांच शिविर लगा, जिसमें कई छात्र-छात्राओं के दांतों में समस्या पाई गई। बोकारो एजुकेशन ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश कोठारी ने सभी डॉक्टरों, आगुन्तकों, स्कूल के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों का स्वागत किया। दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. अमरेश, डॉ. संजीव, रोटरी क्लब चास के संस्थापक अध्यक्ष संजय बैद, रोटरी क्लब चास की अध्यक्ष पूजा बैद एवं सचिव डिंपल कौर ने दांतों की देखभाल पर जोर दिया। कॉलेज के सचिव विनय सिंह ने जागरूकता कार्यक्रम के लिए चास रोटरी के प्रति आभार जताया।

ठंड ने अब दी दस्तक, न्यूनतम तापमान 12 डिग्री तक पहुंचा

विशेष संवाददाता

रांची : झारखंड के कई जिलों में अब ठंड ने अपनी दस्तक देनी शुरू कर दी है। ठंड और सिहरन का एहसास होने लगा है। सुबह और शाम को चलने वाली ठंड हवाओं ने अब धीरे- धीरे गर्म कपड़ों की जरूरत को महसूस कराना शुरू कर दिया है। लोगों के स्वेटर और जैकेट निकल चुके हैं। मौसम विभाग ने संकेत दिए हैं कि आनेवाले दिनों में तापमान में और गिरावट होगी। फिलहाल शनिवार तक मिले आंकड़े के मुताबिक राज्य में न्यूनतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़क गया है। गुमला में सबसे कम तापमान 12.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। इसके बाद खूंटी व लोहरदगा में 13.7, तो लातेहार में 14.8 डिग्री से. तक न्यूनतम तापमान पहुंच चुका है। शाम ढलने के बाद और अहले सुबह हल्का धुंध भी दिखना शुरू हो गया है।

राज्य में हिमालय और उत्तर भारत से आ रही ठंडी हवाओं के कारण ठंड महसूस होने लगी है। मौसम शुष्क और धूप रहने के कारण अभी ठंड का ज्यादा एहसास नहीं है, लेकिन शाम होते- होते ठंड महसूस होने लगती है।

धीरे- धीरे तापमान में आ रही गिरावट ठंड और बढ़ायेगी। मौसम विभाग के अनुसार बंगाल की खाड़ी में निम्न दबाव की वजह से मौसम अपना मिजाज बदल रहा है। साइक्लोन सर्कुलेशन का असर राज्य के कुछ हिस्सों में नजर आयेगा। आने वाले कुछ दिनों में हल्की बारिश की संभावना भी जाहिर की गयी है। राज्य के कुछ हिस्सों में आंशिक रूप से बादल नजर आयेंगे। मौसम विभाग के अनुसार देवघर, सिमडेगा, पूर्वी और पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, गोड्डा, पाकुड़, साहेबगंज और बोकारो में बादल नजर आयेंगे और हल्की बारिश के आसार हैं। इसके बाद जाहिर तौर पर ठंड में और इजाफा होगा।

कहां कितना लुढ़का पारा

जिला	न्यूनतम ताप. (डि.से.)
बोकारो	17.1
चतरा	15.2
देवघर	18.3
धनबाद	16.4
गढ़वा	15.4
गिरिडीह	17.6
गोड्डा	18.8
गुमला	12.4
हजारीबाग	16.7
जामताड़ा	18.1
खूंटी	13.7
किरिबुरू	17.7
लातेहार	14.8
लोहरदगा	13.7
रामगढ़	19.3
रांची	15.9
जमशेदपुर	19.4
डाल्टेनगंज	16.5

सौर-ऊर्जा से बिजली बना कई राज्यों की जरूरतें पूरी करेगा सीसीएल

बोले सीएमडी डॉ. बी. वीरा - इस वित्त वर्ष तक 12 मेवा से 300 मेगावाट सोलर रूफ लगाने की है योजना

संवाददाता

बोकारो : सीसीएल (सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड) जल्द ही सूरज की ऊर्जा से बिजली तैयार कर विद्युत क्षेत्र में झारखंड को अग्रणी बनाएगा। सीसीएल के अध्यक्ष सह- प्रबंध निदेशक (सीएमडी) डॉ. बी. वीरा रेड्डी ने बिजली के लिए कोयला नहीं, बल्कि सौर ऊर्जा आधारित योजना को सफलतापूर्वक धरातल पर उतारने की बात कही है। बेरमो कोयला क्षेत्र के दौरे के क्रम में उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा आधारित बिजली उत्पादन की योजना के तहत अभी तक 12 मेगावाट इंस्टाल रूफ टॉप में काम किए हैं। 300 मेगावाट इस वित्त वर्ष में करने की योजना है। वर्ष 25-26 तक इसे पूरा कर लिया जाएगा और कई राज्यों की जरूरतें पूरी की जा सकेंगी। उन्होंने बताया कि राजस्थान तथा गुजरात से 100-100 मेगावाट का आर्डर मिला है। कहा कि राजस्थान सरकार से 1130 मेगावाट का समझौता हुआ है। राज्य सरकार से जमीन के लिए बात करके इसे इंस्टॉल करने की प्लानिंग है।

भूमिगत खदान से 100 एमटी कोयला निकालने की तैयारी

उन्होंने कहा - हम लोगों ने वर्ष 2027-28 तक 100 मिलियन टन कोयला भूमिगत खदान से निकालने के लिए प्लानिंग कर रोड मैप बनाया है। वहीं हाई वाल माइनिंग पर भी काम किया जा रहा है। इसके लिए शेड्यूल तैयार किया गया है। कोल इंडिया कोयला के अतिरिक्त अन्य कदम उठा रही है। इसके तहत लिथियम, कोवर्ड आदि मिनरल्स पर आस्ट्रेलिया सहित अन्य देशों से मिलकर सर्च कर रहा है।

एक सवाल के जवाब में सीएमडी ने कहा कि बीएंडके एरिया में बोकारो ओसीपी नया प्रोजेक्ट लाने पर काम चल रहा है। डीआर एंड आरडी प्रोजेक्ट को देखना पड़ेगा। इसमें 600 से ज्यादा नौकरी दी गई है। पिछरी प्रोजेक्ट स्वीकृत है, जो जल्द शुरू होगा।

जदयू के संथाल परगना प्रभारी बने अशोक चौधरी

बोकारो : झारखण्ड प्रदेश जनता दल यू अध्यक्ष सांसद खीरू महतो ने जदयू नेता पूर्व बियाडा अध्यक्ष अशोक चौधरी को एक रणनीति के तहत संथाल परगना के क्षेत्र में संगठन को मजबूत करने संथाल परगना प्रमंडल का प्रभारी मनोनीत किया है। इसके लिए देवघर जिला अध्यक्ष सतीश दास, महासचिव बेनी माधव झा, प्रदेश सचिव अर्जुन मेहता, प्रदेश सचिव राजू सिंह, प्रदेश सचिव सरयू गोप, धनबाद जिलाध्यक्ष पिंटू सिंह, बोकारो जिला प्रभारी दीप नारायण सिंह आदि ने उन्हें बधाई दी। कहा कि श्री चौधरी के सांगठनिक अनुभव का लाभ उक्त क्षेत्र में संगठन को मिलेगा।

राज्य में चरम पर है प्राइवेट अस्पतालों की मनमानी : देव

स्वास्थ्य मंत्री से मिले युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव

संवाददाता

बोकारो : युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव सह- प्रदेश मीडिया को-ऑर्डिनेटर देव शर्मा चास-बोकारो के निजी अस्पतालों और जांच घरों की मनमानी और लूट को लेकर झारखंड के स्वास्थ मंत्री बन्ना गुप्ता से मिले। श्री शर्मा ने मंत्री को अवगत कराते हुए कहा कि चास-बोकारो के कुछ निजी अस्पताल और जांच घरों की मनमानी चरम पर पहुंच गई है। वहां इलाज के नाम पर आम जनता से मुंहमांगी और अनाप-शनाप पैसे की वसूली की जा रही है। छोटी-छोटी बीमारी पर भी लाखों का बिल थमा दिया जाता है और नॉर्मल डिलिवरी न करने की मानो उन्होंने कसम खा ली है। मोटी रकम के लिए नॉर्मल डिलीवरी वाले केसों पर भी ऑपरेशन कर देते हैं। पैसे कम करने का अनुरोध करने पर पुलिस से झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देते है। कुछ गरीब असहाय लोगों की तो जमीन और घर तक बिकवा देते हैं, लेकिन अफसोस की बीत यह है कि हमारे नेतागण मौन बने हुए हैं। कुछ नेताओं को तो निजी अस्पतालों से कमीशन भी आता है, जिसके चलते वो चुप्पी बनाए रखते हैं। श्री शर्मा ने मंत्री श्री गुप्ता से निजी अस्पतालों और जांच घरों पर कड़ी कार्रवाई करने का अनुरोध किया, ताकि आम जनमानस में कांग्रेस के प्रति विश्वास और बढ़े।

भगवान श्रीराम के समय से रही है कोजागरा मनाने की परंपरा

- डा. बी. के. मल्लिक
मो. 9810075792

मिथिलांचल में शरद पूर्णिमा पर कोजागरा मनाए जाने की परंपरा भगवान श्रीराम के समय से ही चली आ रही है। शनिवार को इस त्योहार की खूब धूम रही। कहा जाता है कि इस पर्व की शुरूआत त्रेतायुग में राजा जनक द्वारा हुई थी। पहला कोजागरा भगवान श्री राम के लिए राजा जनक ने कराया था। जनक राजा ने राम व सीता के लिए कोजागरा की पूजा कर अपने यहां से राम के लिए पान, केला, मखान, लड्डू आदि भार के रूप में भेजा था। तब से लेकर आज तक ये पर्व कोजागरा के रूप में मनाया जा रहा है। इस दिन घर में विवाह के जश्न जैसा माहौल रहता है। यह पूजा करने से नए वर-वधू के जीवन में सुख-शांति बनी रहती है। इस दिन लड़की वालों के पक्ष से लड़के के परिवार के लिए कपड़ा, खाजा, चूड़ा, दही, मखाना, पान, बताशा आदि उपहार के रूप में दिया जाता है। इसे ही भार कहा जाता है। इसके बाद लड़के के पिताजी उस भार को चंगेरा (डाली) में भरकर पूरे मोहल्ले में बांटते हैं। वर को ससुराल से आए कपड़े पहनाने के बाद महिलाएं वर का चुमावन करती हैं। चुमावन के बाद वर अपने साले के साथ पच्चीसी का खेल खेलता है। इस खेल में हारने वाला जीतने वाले को उपहार देता है। इस दौरान मैथिली गीत-संगीत की महफिल भी सजती है।

धन-समृद्धि का द्योतक

लोककथा के अनुसार बंगाल के एक राजा की कहानी भी बताती है, जो बुरे समय और आर्थिक तंगी से गुजर रहा था। राज्य में दुर्भाग्य का राज हो गया, जिससे धन और समृद्धि दूर हो गई। उनकी पत्नी ने कोजागरा व्रत किया और कोजागरी पूर्णिमा पर देवी लक्ष्मी की पूजा की। उनके हाव-भाव से प्रभावित होकर, देवी लक्ष्मी ने उन्हें और उनके राज्य को आशीर्वाद दिया।

देवी लक्ष्मी के अवतरित होने की मान्यता

कोजागरा पूर्णिमा को 'बंगाल लक्ष्मी पूजा' या शरद पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। देवी लक्ष्मी को समृद्धि की देवी कहा जाता है। ऐसा माना जाता है कि 'अश्विन पूर्णिमा' के दिन, देवी भक्तों को समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य का आशीर्वाद देने के लिए पृथ्वी पर अवतरित होती हैं। कोजागरा का एक महत्वपूर्ण अर्थ है, क्योंकि इसका मतलब है कि कौन जाग रहा है। ऐसा माना जाता है कि पूर्णिमा के दिन देवी लक्ष्मी हर घर में आती हैं और उन्हें धन, भाग्य और बेहतर भाग्य का आशीर्वाद देती हैं। कोजागरी पूर्णिमा नवान्न या कटाई के त्योहार या मौसम के साथ मेल खाती है। यह भी एक आम धारणा है कि भक्त देवी लक्ष्मी को आकर्षित करने के लिए छतों या बालकनियों पर दीपक, मिट्टी या बिजली के दीपक जलाते हैं।

ऐसे होती है लक्ष्मी पूजा

भक्त घरों या पंडालों में देवी लक्ष्मी की मूर्ति स्थापित करके देवी लक्ष्मी की पूजा करते हैं। कोजागरा पूजा अनुष्ठान समुदाय-दर-समुदाय में भिन्न-भिन्न होते हैं। देवी को 'खिचुरी,' 'तालेर फोपोल,' 'नार्केल भाजा,' 'नारू' और कुछ मिठाइयां जैसे प्रसाद चढ़ाए जाते हैं। महिलाएं मुख्य द्वार के सामने अल्पना बनाती हैं, जो देवी लक्ष्मी के पैरों का प्रतीक है। भक्तों का मानना है कि इस दिन देवी लक्ष्मी हर घर में आती हैं और जागने वालों को आशीर्वाद देती हैं। इसलिए वे रात्रि जागरण करते हैं और भजन और कीर्तन गाते हुए समय बिताते हैं। स्वागत के तौर पर लोग अपने घरों को रोशनी से जगमगाते हैं। देवी लक्ष्मी को समर्पित मंत्रों और स्तोत्रों का जाप करना शुभ माना जाता है। कोजागरा पूजा के दौरान महिलाएं व्रत भी रखती हैं। पूजा पूरी करने के बाद रात में देवी लक्ष्मी को चावल और नारियल पानी चढ़ाकर व्रत खोला जाता है। बंगाली समुदाय में इस दिन विशेषकर महिलाएं निर्जला व्रत रखती हैं। इस पर्व को वे दीपावली की तरह मनाती हैं। पूरे घर को दीयों से जगमग करती हैं। सारा दिन उपवास रखने के बाद संध्या में माता लक्ष्मी की पूजा होती है। पूजा के समापन के बाद महिलाओं में सिंदूर व आलता दान किया जाता है।

त्याग का दूसरा नाम है गृहस्थ जीवन

- गुरुदेव श्री नंदकिशोर श्रीमाली-

करवा चौथ
(1 नवम्बर 2023) पर विशेष

इस संसार में प्रत्येक स्त्री-पुरुष, युवा-वृद्ध, विवाहित-अविवाहित, शिक्षित-अशिक्षित, कोई भी मनुष्य हो, वह गृहस्थ जीवन का एक भाग अवश्य है। प्रत्येक व्यक्ति का आज और आने वाला कल भी कहीं न कहीं इस 'गृहस्थ' से प्रभावित होता ही है। संकीर्ण होते समाज ने 'गृहस्थ' को केवल पति-पत्नी का एक रिश्ता मान लिया है, जबकि गृहस्थ, दाम्पत्य, विवाह, मैरिज इत्यादि केवल दो लोगों का ही आपसी संबंध नहीं है, बल्कि इन संबंधों में बंधे लोगों का प्रभाव वर्तमान और भविष्य में कई लोगों को प्रभावित करता है।

कम से कम शब्दों में कहा जाए तो संपूर्ण सृष्टि ही इस संबंध की धुरी पर कहीं न कहीं घूम रही है। दो लोगों का संबंध किसी न किसी रूप में संपूर्ण सृष्टि की परिकल्पना में एक आवश्यक अंग स्वरूप है। इसी कारण वैदिक धर्म में दाम्पत्य, गृहस्थ के संबंध में कहा गया है

समञ्जन्तु विश्वे देवाः समापो हृदयानि नौ।
सं मातरिश्वा सं धाता समु देष्ट्री दधातु नौ।।
- ऋग्वेद

पति-पत्नी जल के समान शांत, प्राणवायु की तरह एक-दूसरे के लिए आवश्यक रहेंगे, जिस प्रकार परमात्मा ने इस जगत को धारण किया है, उसी प्रकार एक-दूसरे को धारण करेंगे।

'गृहस्थ' दाम्पत्य को धारण करने वाले पति-पत्नी के लिए इतनी महत्वपूर्ण बात इसी कारण कही गई है कि हमारे ऋषि मुनि जानते थे कि लक्ष्मी-नारायण, सीता-राम, शिव-पार्वती के समान ही गृहस्थ जीवन होगा, तब ही सृष्टि का विकास संभव है। गृहस्थ का तात्पर्य केवल पति और पत्नी नहीं होता है, यह तो उसकी स्थूल व्याख्या है, गृहस्थ का विस्तृत स्वरूप प्रकाश के समान है, जो अपने उज्जवलता के साथ-साथ जहां-जहां फैलता है, वहां-वहां अंधकार को समाप्त कर प्रेम और विश्वास को भर देता है।

भारतीय दर्शन में गृहस्थ जीवन के लक्षणों में प्रेम, आत्मीयता, सहयोग, सहायता, संवेदना, सद्भाव तथा एक-दूसरे के प्रति यथायोग्य व्यवहार, मंगल-कामना, सुख-सुविधा का विचार आदि माने गए हैं। इसी प्रकार गृहस्थ जीवन का अर्थ है- पति-पत्नी एक-दूसरे के सांसारिक सुख में वृद्धि के साथ ही एक-दूसरे की आत्मोन्नति में यथासाध्य सहयोग करें। श्रेष्ठ गृहस्थ एक-दूसरे का अधिकार नहीं छीनना चाहते, एक-दूसरे से ईर्ष्या या डाह नहीं करते, पीछे खींचने का प्रयत्न भी नहीं करते और अपने स्वार्थ पर ही दृष्टि नहीं रखते हैं, बल्कि एक दूसरे की भावना को समझते हैं। गृहस्थ जीवन त्याग का दूसरा नाम है, जहां उन्नति का तात्पर्य स्वयं से नहीं होकर जीवन-साथी को भी उन्नत करने से है। यही भावना गृहस्थ का शुद्ध स्वरूप है।

गृहस्थ : संतान-परिवार-समाज-राष्ट्र

गृहस्थ जीवन की अनुकूलता का सीधा प्रभाव संतान और परिवार पर पड़ता है। परिवार में सामंजस्य समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और समाज की श्रेष्ठता राष्ट्र के निर्माण में सहायक होती है। अतः इस बात पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है कि पति-पत्नी का दाम्पत्य जीवन अनुकूल होना न केवल स्वयं उनके लिए, उनकी संतान के लिए, उनके परिवार के लिए, बल्कि संपूर्ण मानव जाति के लिए भी हितकारी ही होता है। इसी कारण भारतीय जनमानस में गृहस्थ जीवन को पवित्रता, आदर्श, प्रेम, सौहार्द जैसे मानवीय गुणों के साथ संयुक्त किया गया है और भगवान विष्णु-लक्ष्मी और सदाशिव-पार्वती, राम-सीता जैसे उच्च आदर्श गृहस्थ की परिकल्पना की गई है।

दाम्पत्य जीवन की परिकल्पना केवल शारीरिक सुख और निजी संबंधों के लिए नहीं की जा सकती है। दाम्पत्य जीवन का उद्देश्य श्रेष्ठ शिक्षा, विकास, उन्नति से है। दाम्पत्य का कर्तव्य श्रेष्ठ वंश का निर्माण करना है, जो स्व का विकास करते हुए समाज, राष्ट्र और इस धरा के लिए बेहतरीन कर सके। मूलतः मुख्य धुरी तो पति-पत्नी ही हैं, जिन्हें अपने प्रयासों द्वारा आपसी प्रेम संबंधों को दृढ़ बनाते हुए श्रेष्ठ परिवार का निर्माण करना है।

पति-पत्नी की आत्माओं के बीच तार जुड़ा होता है। इसलिए पुरुष जब अपनी पत्नी अर्थात गृह लक्ष्मी के साथ संयुक्त होता है, तभी वह पूर्ण हो पाता है। वास्तव में हर पुरुष के अन्दर नारायण अवस्थित हैं और हर स्त्री लक्ष्मी का स्वरूप होती है। इसीलिए पत्नी के लिए गृह लक्ष्मी का शब्द प्रयोग किया जाता है।

गृह लक्ष्मी - गृहिणी

गृह लक्ष्मी अर्थात गृहिणी और गृहिणी न हो तो गृह की सब व्यवस्था छिन्न-भिन्न हो जाती है। गृहस्थी को एक वृक्ष मानें तो पत्नी उस वृक्ष का एक मूल अर्थात जड़ होती है। जब तक मूल नहीं है, तब तक वृक्ष का अस्तित्व ही नहीं होता। मूल अर्थात जड़ ही समग्र वृक्ष का भार वहन करता है। इस आधार पर हम कह सकते हैं कि नारी गृह का मूल आधार होती है। उसके कंधों पर ही पूरा परिवार खड़ा होता है। नारी के बिना यह स्वप्न साकार नहीं हो सकता। वृक्ष की जड़ तो केवल वृक्ष को खड़ा रखने तथा उसे भोजन पहुंचाने का कार्य करती है, किन्तु नारी न केवल जड़ का, अर्थात परिवार का आधार अथवा परिवार के खड़े होने की परिकल्पना को साकार करने वाली होती है, अपितु संतान उत्पन्न संतान उत्पत्ति का कार्य अर्थात बीज और भूमि का कार्य भी करती है।

दाम्पत्य जीवन : संयोग और सहयोग

पुरुष और नारी के प्रेम पूर्वक संयोग से ही श्रेष्ठ दाम्पत्य जीवन का निर्माण होता है। इसी कार्य से सृष्टि में उत्पत्ति होती है और जब उत्पत्ति होती है, तभी वृद्धि संभव है। पति-पत्नी में मतभेद होना, सामंजस्य की कमी होना, प्रेम की कमी होना दाम्पत्य जीवन की अपूर्णता है और इसका सीधा अर्थ है- जैसे बिना जल की नदी, बिना जड़ के वृक्ष, बिना शीतलता का चंद्रमा। पति-पत्नी के बीच सुखद वैवाहिक जीवन का आधार प्रेम ही होता है। इसके लिए सामंजस्य और सहयोग आवश्यक है और उसमें निरन्तर प्रेम तत्व प्रवाहित होना चाहिए।

श्रेष्ठ दाम्पत्य जीवन

श्रुति के वचन अनुसार दो शरीर, दो मन और बुद्धि, दो हृदय, दो प्राण व दो आत्माओं का समन्वय होने पर, अगाध प्रेम के व्रत को पालन करने वाले दंपति लक्ष्मी-विष्णु, सीता-राम, उमा-महेश्वर के प्रेमादर्श को धारण करते हैं। यही विवाह का श्रेष्ठ स्वरूप है। शास्त्रों में श्रेष्ठ दाम्पत्य को वंश वृद्धि, मैत्रीलाभ, साहचर्य, सुख, मानसिक रूप से परिपक्वता, दीर्घायु, शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य की प्राप्ति हेतु अनिवार्य माना गया है। इसके अलावा सुखद दाम्पत्य जीवन से समस्याओं से जूझने की शक्ति मिलती है और प्रगाढ़ प्रेम संबंध से परिवार में सुख शांति रहती है और जब परिस्थितियां इसके विपरीत होती हैं तो गृहस्थ जीवन सरस न होकर कांटों से भरा लगता है और ऐसा लगने लगता है कि कहीं भाग जाएं, संबंध विच्छेद कर लें, संन्यास ले लें अथवा जीवन का कोई अर्थ ही नहीं है। ऐसी स्थिति में लक्ष्मी-नारायण साधना संपन्न करने से दाम्पत्य जीवन में अनुकूलता प्राप्त होती है।

(साभार : निखिल मंत्र विज्ञान)

सौंदर्य निखारने के लिए करें गुड़ से फेशियल

मिठास और सेहत के लिए लाभकारी गुणों से भरपूर गुड़ सौंदर्यवर्धक के रूप में भी महत्वपूर्ण है। कॉस्मेटिक के क्षेत्र में इसकी उपयोगिता के बारे में शायद बहुत कम लोग जानते हैं। कैसे गुड़ सौंदर्य निखारने में लाभदायक है, आइए जानते हैं-

गुड़ और नींबू का फेस पैक

इस फेस पैक को बनाने के लिए एक बाउल में एक चम्मच गुड़ का पाउडर लें, इसमें नींबू का रस और एक चुटकी हल्दी मिलाएं। अब इस मिश्रण का पेस्ट बना लें, इसे चेहरे पर लगाएं। सूख जाने के बाद पानी से धो लें। इस फेस पैक के नियमित इस्तेमाल से चेहरे की झाइयां दूर हो सकती है।

गुड़ और टमाटर

अगर आप मुंहासे की समस्या से परेशान हैं, तो यह फेस पैक ट्राई कर सकते हैं। इसे बनाने के लिए गुड़ पाउडर में टमाटर का रस मिक्स करें, फिर इसे अच्छी तरह फेंट लें। इस पैक को चेहरे पर लगाएं, कुछ देर बाद पानी से साफ कर लें।

गुड़ और गुलाब जल का फेस पैक

गुड़ में ग्लाइकोलिक एसिड पाया जाता है, जो चेहरे की झुर्रियां और फाइन लाइन्स को दूर करने में मदद करता है। इस फेस पैक को बनाने के लिए एक चम्मच गुड़ पाउडर लें, इसमें गुलाब जल मिक्स करें, अब इस पैक को चेहरे पर लगाएं, करीब 15-20 मिनट बाद पानी से धो लें। हफ्ते में इस फेस पैक का इस्तेमाल चेहरे पर दो बार कर सकते हैं।

शहद और गुड़

शहद एक नेचुरल मॉइश्चराइजर के रूप में काम करता है। इसके इस्तेमाल से स्किन पर निखार आता है। एक छोटे बाउल में शहद और गुड़ मिक्स करें और गाढ़ा पेस्ट बना लें, इसे चेहरे पर लगाएं, कुछ देर बाद पानी से धो लें।

वेदांता ईएसएल ने खुदरा बाजार में बढ़ाए अपने कदम

बिहार सहित कई राज्यों में टीएमटी बार की जरूरतें हो सकेंगी पूरी

बिहार में 150 से ज्यादा बनेंगे डीलर

श्री पाटनी के अनुसार, कंपनी की टीम को पटना, आरा और बक्सर जिलों में डीलर इवेंट और लांच के दौरान बेहतरीन प्रतिक्रिया मिली है। कंपनी का लक्ष्य है कि नया मील का पत्थर स्थापित करने के लिए वित्तीय वर्ष 24 में अकेले बिहार में 150 से ज्यादा डीलर बनाए जाएंगे। नेशनल रिटेल सेगमेंट में अपने प्रवेश का उत्सव मनाने के लिए कंपनी ने चुनिंदा उपभोक्ताओं और महत्वपूर्ण साझेदारों को आमंत्रित किया था। वी-एक्सईजीए टीएमटी बार के साथ ही ईएसएल स्टील सियालजोरी, बोकारो में स्थित अपने आधुनिकतम इंटीग्रेटेड स्टील प्लांट में दूसरे उत्पाद जैसे- वायर रॉड और डीआई पाइप भी बनाती है।

अग्रणी अंतरराष्ट्रीय ब्रांडों के साथ साझेदारी

आधुनिकतम तकनीक, डिजिटलाइजेशन और नवोन्मेष के जरिए स्टील उत्पादन में वैश्विक स्तर पर बेंचमार्क स्थापित करने और सर्वोत्कृष्टता के मिशन पर आगे बढ़ रही ईएसएल स्टील लिमिटेड ने अपने उपभोक्ताओं तक विशेषज्ञता और समाधान पहुंचाने के लिए अग्रणी अंतरराष्ट्रीय ब्रांडों के साथ पार्टनरशिप की है। दरअसल, बोकारो जिले में सियालजोरी गांव में स्थित ईएसएल स्टील उत्पादों की एक अग्रणी निर्माता है। इसके पास 2.5 मिलियन टन वार्षिक एमटीपीए क्षमता वाला ग्रीनफील्ड इंटीग्रेटेड स्टील प्लांट है, जिसमें पिग आयरन, बिलेट्स, टीएमटी बार, वायर रॉड और डक्टाइल आयरन पाइप का उत्पादन होता है।

संवाददाता

बोकारो : वेदांता समूह की प्रमुख कंपनी ईएसएल स्टील लिमिटेड ने अब खुदरा बाजार की ओर अपने व्यापार का नया रास्ता खोला है। उच्च गुणवत्ता वाले स्टील उत्पाद वी-एक्सईजीए ब्रांड के टीएमटी बार के साथ राष्ट्रीय स्तर पर खुदरा बिक्री के क्षेत्र में कदम रखने की घोषणा कंपनी ने की है। ईएसएल स्टील लिमिटेड ने इस श्रेणी में सर्वोत्तम वी-एक्सईजीए टीएमटी बार के साथ फिलहाल बिहार में खुदरा बिक्री शुरू की है और यह देश भर के सभी प्रमुख स्थानों तक वित्तीय वर्ष 24-25 तक चरणबद्ध तरीके से इसका विस्तार कर लेगी। कंपनी की इस उपलब्धि पर ईएसएल स्टील लिमिटेड के मुख्य विपणन अधिकारी असीत पाटनी ने कहा कि वी-एक्सईजीए का लांच यह दर्शाता है कि यह ब्रांड उपभोक्ताओं को निर्माण की जरूरतों के लिए गुणवत्ता युक्त सामग्री उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। वी-एक्सईजीए टीएमटी बार की उच्चतम गुणवत्ता और उपभोक्ताओं के लिए आसान उपलब्धता के कारण बेहतरीन निर्माण के रास्ते खुलेंगे। यह लांच ईएसएल स्टील लिमिटेड की इस प्रतिबद्धता पर भी जोर देता है कि हम साथ-साथ एक और भी सुनहरा और बेहतर भविष्य बना सकते हैं।

बोकारो जिला बास्केटबॉल संघ को मिली पूर्ण संघ की मान्यता

संवाददाता

बोकारो : झारखंड बास्केटबॉल संघ के महासचिव जय प्रकाश सिंह एवं मो आरिफ आफताब चैयरमैन, पर्यवेक्षक तकनीकी समिति की उपस्थिति में बोकारो जिला बास्केटबॉल संघ की बैठक की गई। इसकी अध्यक्षता मनीष सिंह ने की। इस दौरान झारखंड बास्केटबॉल संघ के महासचिव जय प्रकाश सिंह एवं मो आरिफ आफताब ने बोकारो जिला बास्केटबॉल संघ की सभी सकारात्मक गतिविधियों को देखते हुए झारखंड ओलंपिक संघ से मान्यता प्राप्त झारखंड बास्केटबॉल संघ द्वारा बोकारो जिला बास्केटबॉल संघ को पूर्ण एवं स्थायी संघ की मान्यता दी। झारखंड बास्केटबॉल संघ के महासचिव जय प्रकाश सिंह ने बोकारो सहित झारखंड में बास्केटबॉल खेल के विकास के लिए सुझाव दिए और भविष्य में बास्केटबॉल की कई गतिविधियों की जानकारी दी और कहा कि संजीव कुमार एवं उनके सम्मानित सदस्य के नेतृत्व में बास्केटबॉल का सकारात्मक विकास होगा। उन्होंने मनीष सिंह को अध्यक्ष, संजीव कुमार को सचिव, विनोद कुमार को कोषाध्यक्ष तथा निखिल ओझा, सुधीर कुमार सिंह, विजय कुमार मिंज एवं मनोज दुबे को सम्मानित कार्यकारिणी सदस्य मनोनीत किया। इस बैठक में मुकेश गुप्ता, प्राचार्य, राम लखन मिस्त्री, रण विजय ओझा एवं सौरभ उपस्थित थे।

चल जंगल चल

चल जंगल चल, चल जंगल चल
जंगल में आनंद की लहरी
संध्या हो या निशि, भोर, दुपहरी
पकड़ेंगे हम यही तरंगें
खुश अब से हर क्षण रह लेंगे
ये तरंग हैं सकारात्मक
इन्हें करेंगे हमसब अंगीकार... जंगल
चल जंगल चल, चल जंगल चल

चल जंगल चल, चल जंगल चल
जंगल की निर्मल है काया
मन में है आनंद समाया
जंगल के मन होते राम
रहता है जंगल निष्काम
जंगल जीवन की सच्चाई
का गाता रहता है उपसंहार... जंगल
चल जंगल चल, चल जंगल चल

(समाप्त)

कुमार मनीष अरविन्द

पुपरी में धूमधाम से मनी दुगार्पूजा

पुपरी : जनकपुर रोड (पुपरी) और आसपास के इलाके में आदिशक्ति जगदंबा की आराधना का महापर्व दुगार्पूजा धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर स्टेशन परिसर जनकपुर रोड सहित विभिन्न जगहों पर भव्य पंडाल बनाकर मां दुर्गा की प्रतिमाएं स्थापित की गईं। विजयादशमी के बाद प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। इस क्रम में लगातार नौ दिनों तक हर तरफ भक्तिमय वातावरण बना रहा।

मिथिला डायरी

पं. विष्णुदेव झा 'विकल' के निधन पर शोक की लहर

दरभंगा: मैथिली के वरिष्ठ साहित्यकार पं. विष्णुदेव झा 'विकल' का बीते शुक्रवार की रात में निधन हो गया। 77 वर्षीय साहित्यकार के निधन की खबर मिलते ही मिथिला के साहित्यकारों में शोक की लहर दौड़ गई। उनके निधन पर शंभु नाथ सहित दरभंगा में विद्यापति सेवा संस्थान के महासचिव डॉ. बैद्यनाथ चौधरी, साहित्यकार मणिकांत झा, संस्थान के अध्यक्ष सह संस्कृत विवि के कुलपति प्रो. शशिनाथ झा, मैथिली अकादमी के पूर्व अध्यक्ष पं. कमलाकांत झा, संस्थान के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. बुचरू पासवान, प्रो. जीवकांत मिश्र, हीरा कुमार झा, डॉ. महेंद्र नारायण राम, मीडिया संयोजक प्रवीण कुमार झा आदि ने शोक जताया है।

पेज- 1 का शेष

झारखंड भाजपा में...

को काफी फायदा होने की उम्मीद है। दरअसल, भाजपा ने 2014 के चुनाव में कोल्हान और संथाल परगना में अपनी पकड़ मजबूत कर ली थी। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में भी भाजपा की सेहत पर कोई फर्क नहीं पड़ा, लेकिन उसी साल हुए विधानसभा के चुनाव में भाजपा को करारी हार का सामना करना पड़ा था। राज्य की सत्ता भाजपा के हाथ से तो निकल ही गई, पार्टी के अपने नेताओं से भी हाथ धोना पड़ा। इसका सारा ठीकरा रघुवर दास के सिर फोड़ा गया। रघुवर दास पर भ्रष्टाचार के कई आरोप भी लगे थे। माना जा रहा है कि हाल के दिनों में झारखंड में भ्रष्टाचार के जितने मामले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने उजागर किए हैं, उनके तार रघुवर राज से भी जुड़ रहे थे। उन्हें बचाने के लिए ही भाजपा ने उन्हें राज्यपाल बना दिया।

गुदगुदी

अपराधी - जज साहिबा मैं शराब पिए हुए नहीं था बल्कि शराब पी रहा था।
साहिबा - ओह! तब तो गड़बड़ हो गई, ऐसा करते हैं कि तुम्हारी सजा एक महीने से घटाकर 30 दिन कर देते हैं।

शेर और शेरनी पेड़ के नीचे बैठे थे। इतने में अचानक एक हिरण का बच्चा उनके सामने से तेजी से भागता हुआ निकल गया। शेरनी-ये क्या था? शेर-फास्ट फूड।

हजाम : बाल छोटे करने है के..?
ताऊः बड़े कर सके है के?

बंटी- जेल को हवालात क्यों कहते हैं?
पप्पू- क्योंकि जेल में खाने को सिर्फ हवा और लात ही मिलती है।

टीचर - एक टोकरी में 10 आम थे 3 सड़ गए तो कितने आम बचे...? बन्टू - 10 टीचर - अरे मूर्ख 10 कैसे बचेंगे...? बन्टू - सड़े हुए आम कहां जाएंगे, सड़ने से केले थोड़े बन जाएंगे...!

मिथिला वर्णन
हिन्दी साप्ताहिक

देश-विदेश वर्णन

Postal Reg. No.- DNB- 072/2021-23
बोकारो रविवार 29.10.2023
News & E-paper : www.varnanlive.com

6जी के क्षेत्र में दुनिया के नेतृत्व करेगा भारत

मोबाइल कांग्रेस में बोले प्रधानमंत्री मोदी- युवा तकनीकी क्रांति का अगुवा

ब्यूरो संवाददाता

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि हम न सिर्फ भारत में तेजी से 5जी का विस्तार कर रहे हैं, बल्कि 6जी के क्षेत्र में भी लीडर बनने की दिशा में बढ़ रहे हैं। दिल्ली के भारत मंडपम में इंडिया मोबाइल कांग्रेस के 7वें संस्करण में प्रधानमंत्री ने कहा कि 21वीं सदी में तेजी से बदलती दुनिया के समय में आयोजित यह कार्यक्रम करोड़ों लोगों का भविष्य बदलने की क्षमता रखता है। एक समय था, जब हम भविष्य की बात करते थे, तो उसका अर्थ अगला दशक, 20-30 साल का समय या फिर अगली शताब्दी होता था।

उन्होंने कहा कि 5जी लॉन्च के एक साल के भीतर ही भारत में करीब 4 लाख 5जी बेस स्टेशन बन गए हैं। इनसे देश के 97 फीसद शहरों और 80 प्रतिशत से ज्यादा आबादी को कवर किया जा रहा है।

भारत में पिछले एक वर्ष में मेडियन मोबाइल ब्रॉडबैंड की स्पीड स्पीड करीब-करीब तीन गुना बढ़ गई है। मोबाइल ब्रॉडबैंड स्पीड के मामले में भारत एक समय था 118वें पायदान से से 43वें स्थान पर पहुंच गए हैं। हम न सिर्फ भारत में तेजी से 5जी का विस्तार कर रहे हैं, बल्कि 6जी के क्षेत्र में भी लीडर बनने की दिशा में बढ़ रहे हैं।

चाहे टेलीकॉम हो, टेक्नोलॉजी हो या फिर कनेक्टिविटी, चाहे 6जी हो, एआई हो, साइबर सिक्योरिटी हो, सेमी कंडक्टर्स हो, ड्रोन या स्पेस सेक्टर हो, डीप सी हो, ग्रीन टेक हो या फिर दूसरे सेक्टर्स, आने वाला समय बिल्कुल ही अलग होने जा रहा है। और, यह हम सभी के लिए खुशी की बात है कि हमारी युवा पीढ़ी देश के भविष्य का नेतृत्व कर रही है, हमारी टेक रिवोल्युशन को लीड कर रही है।

'100 5जी लैब्स पहल' महत्वपूर्ण

कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी ने देशभर में शैक्षणिक संस्थानों को 100 '5जी यूज केस लैब्स' प्रदान किया। इन प्रयोगशालाओं को '100 5जी लैब्स पहल' के तहत विकसित किया जा रहा है। 5जी अनुप्रयोगों के विकास को प्रोत्साहित कर 5जी तकनीक से जुड़े अवसरों को साकार करने की एक कोशिश '100 5जी लैब पहल' है, जो भारत की विशिष्ट जरूरतों के साथ-साथ वैश्विक मांगों को भी पूरा करेगा। यह अनूठी पहल शिक्षा, कृषि, स्वास्थ्य, बिजली, परिवहन जैसे विभिन्न सामाजिक-आर्थिक क्षेत्रों में नवाचार को बढ़ावा देगी और देश को 5जी तकनीक के उपयोग में आगे ले जाएगी। केंद्रीय आईटी और दूरसंचार मंत्री अश्विनी वैष्णव भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

आज हम दुनिया के दूसरे सबसे बड़े मोबाइल निर्माता

पीएम ने कहा कि 2014 में हुए बदलाव से क्या हुआ, वो भी साफ दिखता है। उस समय हम मोबाइल फोन्स के इंपोर्टर थे, आज हम मोबाइल फोन के एक्सपोर्टर हैं। तब मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग में हमारी उपस्थिति न के बराबर थीं, लेकिन आज हम दुनिया के दूसरे सबसे बड़े मोबाइल मैन्युफैक्चरर हैं। तब इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग के लिए कोई क्लीयर विजन नहीं था। आज हम इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग में करीब 2 लाख करोड़ रुपए का एक्सपोर्ट कर रहे हैं। आपने देखा है कि गूगल ने भी हाल ही में ये घोषणा की है कि वो अपने पिक्सल फोन्स भारत में बनाएगा। सैमसंग के 'फोल्ड फाइव' और ऐप्पल के आईफोन 15 पहले ही भारत में बनना शुरू हो गया है। आज हम सबको इसपर गर्व है कि पूरी दुनिया मेड इन इंडिया फोन्स का इस्तेमाल कर रही है।

इधर, कांग्रेस पर साधा निशाना... कहा- 2014 में जनता ने बदल दिया था आउटडेटेड फोन

पीएम मोदी ने इस दौरान पूर्व की कांग्रेस सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा - इस पड़ाव पर हमें यह भी याद रखना होगा कि हम कितना दूर आए हैं और इतना दूर किन परिस्थितियों के बाद आए हैं। आप 10-12 साल पहले के मोबाइल फोन्स को याद करिए। तब आउटडेटेड फोन की स्क्रीन घड़ी-घड़ी हैंग हो जाती थी। चाहे आप स्क्रीन को कितना भी स्वाइप कर लें, चाहे जितने भी बटन दबा लें, असर कुछ होता ही नहीं था। और ऐसी ही स्थिति उस समय सरकार की भी थी। उस समय भारत की अर्थव्यवस्था का या कहें या तब की सरकार ही 'हैंग हो गए' वाले मोड में थी। और हालत तो इतना बिगड़ चुका था, रीस्टार्ट करने से कोई फायदा नहीं था... बैटरी चार्ज करने से भी फायदा नहीं था, बैटरी बदलने से भी फायदा नहीं था। 2014 में लोगों ने ऐसे आउटडेटेड फोन को छोड़ दिया और अब हमें, हमें सेवा करने का अवसर दिया।

सभी दंत समस्याओं का एक समाधान
डॉ. नरेन्द्र मेमोरियल डेंटल सेंटर
138 को-आपरेटिव कॉलोनी (बोकारो)
दांत एवं मुंह संबंधी सभी बीमारियों के इलाज की पूर्ण सुविधा।
समय : सुबह 9.30 से दोपहर 2.30 बजे तक
संध्या 5.00 बजे से रात 9.00 बजे तक
(शनिवार अवकाश)
डा. निकेत चौधरी (संध्या में)

CASHLESS FACILITY CASHLESS FACILITY CASHLESS FACILITY
शिवम् हॉस्पीटल में
सेल के रिटायर्ड कर्मचारियों के लिए
मोतियाबिन्द का ऑपरेशन
एवं लेंस लगाया जाता है।
E-2, LAXMI MARKET, SECTOR-4, B.S.CITY-827004
PH: 06542-232623/233475, MOB: 7488090631

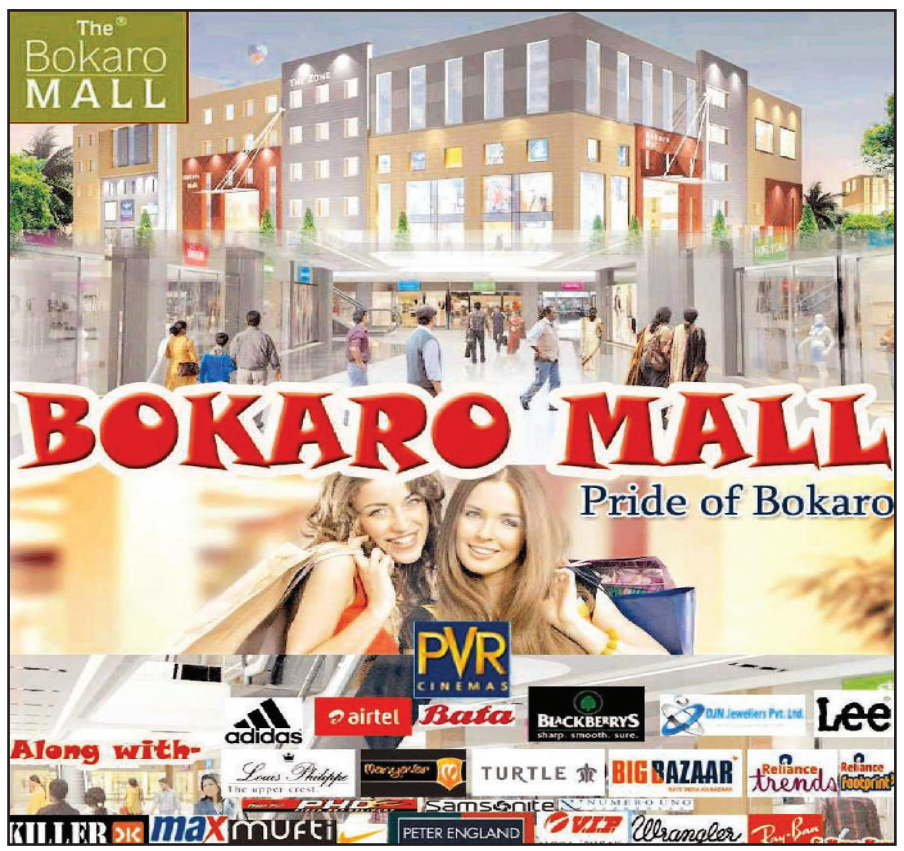

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी विजय कुमार झा द्वारा डीबी कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविन्दपुर रोड, जीके आश्रम, धनबाद से मुद्रित एवं सेक्टर-3बी/94, बोकारो स्टील सिटी (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक : विजय कुमार झा***
प्रबंध संपादक : **कंचन झा**, दिल्ली ब्यूरो : **कैप्टन संजय,** फोन/फैक्स : (06542) 246899, E-mail : mithilavarnan@gmail.com, आरएनआई. पंजीयन संख्या : 48973/89 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिये जिम्मेवार)